समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

भारत के एक्शन से चार दिनों तक त्राहिमाम के बाद जाने आज क्या है पाकिस्तान के शेयर बाजार का हाल।

Publisher

Published on 09 May 2025

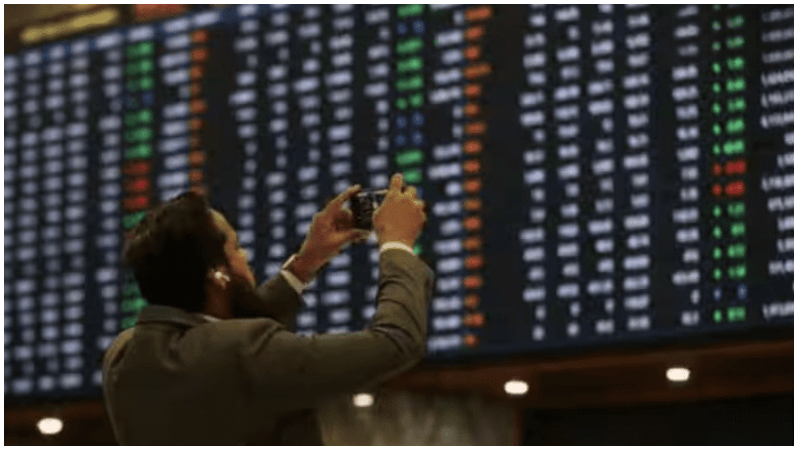

गुरुवार को इंट्राडे मे कीएसई-100 मे करीब 6 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी. इसकी वजह से कारोबार को कुछ देर के लिए रोकना पड़ गया था. बिकवाली पर जबरदस्त दबाव देखा जा रहा था.

भारत और पाकिस्तान के तनाव का सीधा असर दोनों देशों के शेयर बाजार पर भी दिख रहा है. निवेशक सहमे हुए हैं. हालांकि, पिछले चार दिनों से लहूलुहान पाकिस्तान के शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन 9 मई को कुछ सुधार देखने को मिला है.

रिपोर्ट लिखने तक कराची स्टॉक एक्सचेंज यानी केएसई-100 इंडेक्स 0.33 प्रतिशत यानी 857 अंक ऊपर चढ़ा और 103,531 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, शुरुआती कारोबार में ये करीब 2 फीसदी तक ऊपर गया था.

अब तक केएसई-100 में 12 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान

इससे पहले गुरुवार को इंट्राडे में कीएसई-100 में करीब 6 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी. इसकी वजह से कारोबार को कुछ देर के लिए रोकना पड़ गया था. बिकवाली पर जबरदस्त दबाव देखा जा रहा था. पिछले चार कारोबारी सत्र के दौरान कराची स्टॉक एक्सचेंज 100 करीब 9.5 प्रतिशत फिसलकर नीचे चला गया. 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमले के बाद से अब तक केएसई-100 इंडेक्स में 12.5 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है.

इधर, शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार की बात करें तो यहां भी गिरावट देखने को मिली है. सुबह 11.55 मिनट पर बीएसई करीब 750 अंक यानी 0.94 प्रतिशत नीचे फिसलकर 75,589 के स्तर पर पहुंच गया. जबकि एनएसई का निफ्टी 50 भी 230 अंक यानी 0.96 फीसदी नीचे गिरकर 24,041 के स्तर पर कारोबार कर रहा था.

गौरतरब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई. इसका सीधा तार पाकिस्तान से जुड़ा. इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया. भारत ने जवाबी कदम उठाते हुए आतंकियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए 7 अप्रैल की रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले 9 आतंकी ठिकानों पर हमला बोला. इसके बाद से स्थिति और तनावपूर्ण है.

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.